<u>सुरक्षित जीवन के लिए शान्ति आज की जरूरत</u>

फरीदाबाद: वर्तमान समय में मानव जीवन में आपाधापी, तनाव और अन्य दुखद परिस्थितियों का सबसे बड़ा कारण मन की अशान्ति ही है। ऐसे समय में सुरक्षित जीवन तथा मन की शान्ति के लिए आध्यात्मिकता हर ईंसान के लिए जरूरी है। हरियाणा सरकार की मुख्य संसदीय सचिव एवं विधायक शारदा राठोड़ ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय और राजयोग ऐज्यूकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन के **यातायात एवं परिवहन प्रभाग** के संयुक्त प्रयासों से बनाई गई **<u>'विश्व शान्ति एक्सप्रेस'</u>** का शुभारम्भ करने के लिए हरी झण्डी दिखाते हुए उक्त विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आज समय की यही पुकार है कि मन की अशान्ति को दूर करने के उपाय किये जाएं ताकि हर नागरिक स्वस्थ और सुरक्षित रहे। अत: सड़क पर चलने वाली इस अनूठी 'विश्व शान्ति एक्सप्रेस' ट्रेन द्वारा फरीदाबाद में शान्ति का संदेश देना हमारे लिए बड़े ही गर्व की बात है।

ब्रह्माकुमारीज़ फरीदाबाद की निर्देशिका बी. के. ऊषा ने उद्घाटन समारोह में उपस्थित सभी मेहमानों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस **विश्व शान्ति एक्सप्रेस** के द्वारा फरीदाबाद, बल्लभगढ़ एवं आसपास के सभी क्षेत्रों में लगातार दस दिनों तक विश्व शान्ति का संदेश देने का कार्य किया जायेगा।

ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माऊण्ट आबू से पधारे यातायात एवं परिवहन प्रभाग के संयोजक बी. के. सुरेश शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण तनाव और अत्यधिक आक्रोश है। आये दिन चालक छोटी-छोटी बातों पर एक-दूसरे से झगड़ते हैं और कभी-कभी तो आक्रोश इतना ज्यादा हो जाता है कि वह जानलेवा रूप भी ले लेता है। यह सब मन की अशान्ति के कारण ही होता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि **विश्व शान्ति एक्सप्रेस** के माध्यम से सुरक्षित जीवन यात्रा तथा मन की शान्ति का संदेश देने का कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न होगा। सारे फरीदाबाद के लोगों को शान्ति अनुभूति का लाभ मिलेगा और यहां से विश्व शान्ति का संदेश विश्वभर में पहुँचेगा। इस अवसर पर हरियाणा पुलिस और नागरिकों के संयुक्त प्रयासों से सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले संगठन - **'रोड़ सेफ्टी ऑर्गेनाइजेशन'** के सीनियर वाइस प्रेजीडेण्ट एस. के. शर्मा, समाज सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा ब्रह्माकुमारी संस्था के विभिन्न शिक्षा केन्द्रों के अनेक प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।